SUBMISSIONS BY MEMBERS

(i) Re **:** The circumstances leading to the resignation of Shri K. Natwar Singh, Union Minister (without portfolio) from the Council of Ministers following the Volcker Committee Report and subsequent revelations

MR. SPEAKER: Now, Leader of the Opposition will speak.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let us please have a quite. We are here and I will give chance to everybody; I mean all the leaders. Please cooperate.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (गांधीनगर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार के पूर्व विदेश मंत्री और जो .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please do not respond to every matter. यह क्या तरीका है ? आप बैठ जाइए। आप इसे छोड़िए। You are not to regulate the House.

. (*Interruptions*)

KUNWAR MANVENDRA SINGH (MATHURA): He has already resigned.. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Yes, I do not need your advice.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded except the hon. Member whom I call upon to speak.

*(Interruptions)** .

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : पूर्व विदेश मंत्री और कल तक जो विदाउट पोर्टफोलियो मिनिस्टर थे, श्री नटवर सिंह जी ने कल रात्रि को घोषणा की जो आज प्रातःकाल के सब अखबारों में प्रकाशित हुई कि उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने जो कारण बताया, उस पर मुझे आश्चर्य हुआ। क्योंकि .(व्यवधान)

* Not Recorded.

कुँवर मानवेन्द्र सिंह : उन्होंने इस्तीफा दे तो दिया। अब बात खत्म हो गई। .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Now, I find that you are deliberately disturbing this House, Mr. Singh. Give me, I will get rid of you.

. (*Interruptions*)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : वे कह सकते थे कि .(व्यवधान)

DR. C. KRISHNAN (POLLACHI): Sir, what is happening to the Calling Attention?. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Will you sit down? I will come to the Calling Attention. Please take your seat. I think we are wasting our time. Let this be over. I have requested and all the hon. Leaders have agreed. Let us have a business like Session.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : मैं समझता हूं कि उन्होंने विलम्ब से सही, लेकिन एक सही निर्णय लिया है।

उनके इस निर्णय के कारण देश में बहुत सारे लोगों ने संतोष की सांस ली होगी और हम ही नहीं, मुझे विश्वास है कि सरकार में बैठे हुए और सत्ता पक्ष में बैठे हुए अनेक लोगों ने संतोष की सांस ली। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, मैंने जैसा पहले कहा कि अगर ये कहते कि इस सही निर्णय का श्रेय मैं अपने विवेक को देता हूं, मेरे विवेक ने मुझे कहा कि छोड़ देना चाहिए।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, I have requested all of you not to interrupt. Whatever may be the reason, we had no sitting for almost two days. Today, it has been arranged that the hon. leaders would have their say. When I call upon an hon.

Member to speak, at least some courtesy should be shown to him. I am appealing to all sections of the House. Let us have a businesslike debate. Every party has its view to express. Nobody is bound by every other hon. Member's views. Whatever the hon. Leader of the Opposition is saying is not binding on everybody. Therefore, you would have your say. I would give an opportunity to the Government also to respond to this matter. I earnestly appeal to all of you to please listen to each other and give your responses in a proper manner.

Shri L.K. Advani, please continue.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : अध्यक्ष महोदय, मैंने जब भी मांग की है, आपने मुझे सदैव विपक्ष के नेता के रूप में अनुमति दी है, लेकिन मैं यहां बैठे हुए सरकारी पक्ष को कहूंगा कि मुझे स्मरण नहीं कि इतने सालों के इतिहास में कभी किसी विदेश मंत्री जी ने त्याग-पत्र दिया हो। यह इस प्रकार का पहला प्रसंग है और इसीलिए इसे एक महत्वपूर्ण प्रसंग मान कर, कोई भी अगर मांग करता है कि हम इस पर कुछ बोलना चाहते हैं तो इस पर जरूर चर्चा होनी चाहिए। अध्यक्ष जी ने हमें बताया कि जो भी माननीय सदस्य और नेता इस पर बोलना चाहेंगे, उन्हें वह बोलने की इजाजत देंगे, इस कारण उन्होंने मुझे भी इजाज़त दी है। अगर वह कहते कि मैं अपने विवेक की आवाज को सुन कर, आज की परिस्थिति में त्याग-पत्र दे रहा हूं, तो वे इस सही निर्णय का श्रेय अपने को ही देते, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। वे अपनी पार्टी की अध्यक्षा को श्रेय दे सकते थे कि उन्होंने मुझे सलाह दी कि मुझे इस्तीफा दे देना चाहिए, खास कर पार्टी की अध्यक्षा ने, उन्हें जब स्टियरिंग कमेटी से हटा दिया तो उनके मंत्रिमंडल के कई साथियों ने कहा कि अब तो उन्हें सार्वजनिक रूप से संदेश मिल गया है, कि उन्हें क्या करना

चाहिए। वह अगर ऐसा कहते कि मैं पहले एक बार प्रधानमंत्री जी से मिला था, तब उन्होंने मुझे शुरु-शुरु में कहा था और त्याग-पत्र देने की सलाह भी दी थी। उन्होंने मास्को जाते-जाते कहा कि अगर वे स्वयं ऑफर करेंगे तो मैं उस पर विचार करूंगा, ऐसा भी वह कह सकते थे, इस सारे के सारे विवेक को श्रेय दे सकते थे। उन्होंने 40 दिन के बाद सही निर्णय किया है। अगर वे यह निर्णय उसी दिन करते, जिस दिन वोल्कर कमेटी में उनका नाम आ गया था तो शायद उनको बहुत श्रेय मिलता।.(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, मैं एक शब्द भी इधर-उधर से नहीं कह रहा हूं।.(व्यवधान) I have always been economical in my use of words.

MR. SPEAKER: I have accommodated you every time.

. (*Interruptions*)

SHRI L.K. ADVANI : Therefore, he gives credit to me. This is remarkable. . (*Interruptions*) मैंने आज प्रात:काल अपनी पर्लियामेंट्री पार्टी की मीटिंग में कहा कि उन्होंने एनडीए को क्रेडिट दिया है और कहा है, क्योंकि एनडीए सदन की कार्यवाही नहीं चलने देता है, इसलिए मैं ऐसा कर रहा हूं।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not record anything other than the speech of Shri Advani.

(Interruptions) .*

* Not Recorded.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : अब आप समझिए कि आपने उनसे कितनी बड़ी गलती करवाई है।.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : थोड़ी-थोड़ी टोका-टाकी अच्छी लगती है, लेकिन हर वक्त नहीं।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : अध्यक्ष जी, यह थोड़ी-थोड़ी टोका-टाकी नहीं है, अगर यह थोड़ी-थोड़ी टोका-टाकी होती तो यह गलत सलाह उन्हें कोई नहीं देता, कि यह वक्तव्य दीजिए, क्योंकि पार्लियामेंट की प्रोसिडिंग्स स्टॉल हो रही है, इसलिए मैं दे रहा हूं। अगर इसीलिए दे रहे हैं तो उन्हें कांग्रेस अध्यक्षा ने स्टियरिंग कमेटी से क्यों हटाया? उनको प्रधानमंत्री जी ने और कांग्रेस पार्टी की अध्यक्षा ने स्टीयरिंग कमेटी के योग्य नहीं समझा। प्रधानमंत्री जी ने उनको विदेश मंत्रालय के योग्य नहीं समझा।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I think it is over. Your matter has gone in the record.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Your statement has been recorded. What are you doing? Your statement is fully recorded.

. (*Interruptions*)

SHRI L.K. ADVANI : Sir, I have not completed. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is not possible to run the House.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will request the hon. Leader of the Opposition to please conclude.

. (*Interruptions*)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : हिन्दुस्तान के इतिहास में यूएन की रिपोर्ट में विदेश मंत्रालय का नाम.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Advaniji, you have made your point very well.

. (*Interruptions*)

SHRI L.K. ADVANI : No, Sir. I have still an operative part. . (*Interruptions*)

MAJ. GEN. (RETD.) B. C. KHANDURI (GARHWAL): Sir, I cannot hear anything. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is not the way to behave in the House. This applies to all sides. Do not take holier-than-thou attitude. I am telling everybody. I am telling you also. You also please sit down. You should behave properly in the House.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You do not say it; I am doing it.

. (*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): Sir, you please control the House. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: What is this? It is very well. Then, I stop this.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri L. K. Advani has said that he wants to speak for two minutes. I have also given him full opportunity.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am controlling them.

. (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : वह बोलते जा रहे हैं तो क्या करें.(व्यवधान)

मोहम्मद सलीम (कलकत्ता-उत्तर पूर्व) : अध्यक्ष महोदय, यह अपनी कहकर के चले जाते हैं और किसी की नहीं सुनते हैं।.(व्यवधान)

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद) : हम नहीं जाएंगे, आपको भी सुनेंगे, लेकिन पहले हमारे नेता को कहने दीजिए.(व्यवधान)

We will listen to you. . (*Interruptions*) We will not go outside the House. We will listen to your properly. . (*Interruptions*) We will not go outside the House. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded except what Shri L. K. Advani says. I am also requesting him to please conclude.

(Interruptions) .*

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : जब से वोल्कर कमेटी की रिपोर्ट प्रकाशित हुई है.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing is being recorded. Why are you shouting?

* Not Recorded.

(Interruptions) .*

MR. SPEAKER: Shri L.K. Advani, please be brief. I am requesting you to be brief.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Prof. Vijay Kumar Malhotra, you are here for a very long time. It is very easy to advise the Chair.

. (*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, I am not advising you. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are advising me to control them. Every side is advising the Chair. Without cooperating with the Chair, you are advising the Chair.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: These two Members will have to go. I will name you just now. You are the person who is really troubling me.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: What is his name? Shri Surendra Prakash Goyal, if you get up once, I will do it. You should be ashamed of yourself.

. (*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): Sir, we are controlling him. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Do no think that it is an empty threat. I will get you out of the House. If he gets up once more without my permission, he will have to go out of the House.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Here also some Members are doing the same thing. So, something has to be done.

. (*Interruptions*)

* Not Recorded.

MR. SPEAKER : Something has to be done. I cannot preside over the disintegration like this. I will not allow this to continue.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : If you do not like me, get rid of me. But this type of fun will not go on. किसी पर विश्वास नहीं कर सकते हैं।

...(<u>व्यवधान</u>)

MR. SPEAKER : We cannot trust anybody on any side. You make a promise inside and do exactly the opposite outside.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : अध्यक्ष जी, चालीस दिन पहले जब 29 अक्टूबर को वोल्कर रिपोर्ट प्रकाशित हुई, तब देशभर में यह चिन्ता प्रकट की गई कि उसमें देश के विदेश मंत्री का नाम उल्लिखित है, देश की सबसे बड़ी कांग्रेस पार्टी का नाम उल्लिखित है।.(<u>व्यवधान</u>)

MR. SPEAKER : Please conclude.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : You ignore that. Your matter is being recorded.

SHRI L.K. ADVANI : How can I ignore? . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : You know it. You have been here for a longer time.

SHRI L.K. ADVANI : I have known it. They have also known me. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Kindly conclude as soon as possible.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : तब से सबके मन में चिन्ता थी कि एक व्यक्ति और एक एंटिटी, इनका जो जिक्र है, इन दोनों के बारे में सच्चाई सामने आनी चाहिए। सच्चाई सामने लाने के लिए सार्वजनिक रूप से प्रधान मंत्री जी ने भी कहा, बाकी प्रमुख लोगों ने भी कहा कि We shall go to the bottom of it. यहां जब चर्चा हुई थी, तब भी इस बात को कहा गया और मैंने आपको कहा कि एनफोर्समैंट डायरैक्ट्रेट को बहुत सारे रेलेवैंट पेपर्स मिले हैं। मैंने आपसे मांग की थी, अच्छा होगा कि वोल्कर कमेटी की रिपोर्ट के साथ-साथ वे पेपर्स भी दिए जाएं क्योंकि मेरी जानकारी में बहुत गंभीर आरोप उसमें से उभरकर आए हैं।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER : That chapter is over. I have given my decision. It cannot be raised again.

SHRI L.K. ADVANI : I am not raising it. But I am merely saying . (*Interruptions*)

कुँवर मानवेन्द्र सिंह : उस बारे में ऑलरेडी इन्क्वारी हो रही है।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER : You cannot question my decision.

. (*Interruptions*)

SHRI L.K. ADVANI : I am not. What I am merely saying is, if Natwar Singhji says that 'I am not guilty' then why has he been removed from the Steering Committee? . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : It is no use raising it. Who can answer that?

. (*Interruptions*)

SHRI L.K. ADVANI : Why should you have two standards?

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : You have made your comments.

SHRI L.K. ADVANI : Why should you have double standards - one for Natwar Singhji and one for Shrimati Sonia Gandhi? You cannot have two standards. So long as the inquiry is not completed - the Enforcement Directorate inquiry and the Pathak Committee inquiry - until these are completed, just as you have made Natwar Singhji resign from the Cabinet, because he himself says 'I am innocent' and even then he is made to resign . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : What is your point?

SHRI L.K. ADVANI : If he has to resign, similarly Shrimati Sonia Gandhi must resign. . (*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : On what grounds? Sir, I want to know it. . (*Interruptions*) It is not correct. . (*Interruptions*) Mr. Speaker, Sir, this is uncalled for. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : You sit down. What are you doing?

. (*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : It is the most irresponsible statement. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : I will call you. I have promised and I will call you.

. (*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, you have to expunge it. This should be expunged. . (*Interruptions*) This irresponsible statement must be expunged. It is a most irresponsible statement. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Your leader has got his full say. What is this going on?

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : You forget about him.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Why should he say it?

. (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : I shall try to control them. But this is not the point. This is not the end of the matter. Why are you doing it?

Shri Prabhunath Singh to speak now.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : This is a very shameful conduct of yours.

. (*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, you go through the proceedings. Some objectionable part must be deleted.

MR. SPEAKER : I will look into it.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : What is objectionable? He is asking for the resignation of Shrimati Sonia Gandhi. What is objectionable in it? . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Please sit down. If you do not think that I am capable of sitting here, please let me know and I will go away in half-a-second. But do not do this.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : If you tell me so, I will go away.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You sit down. Ask your Member to sit down, Shri Acharia.

. (*Interruptions*)

SHRI A. KRISHNASWAMY (SRIPERUMBUDUR): They have been raising the same issue for four days. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh, please be brief. Please be to the point. I am allowing you. I am keeping my side of the bargain. I request you to please keep your side of the bargain. What can I do? I am feeling and as Shri Sangma

once said sitting here, I am also saying 'I am ashamed to be the Speaker of this House'.

. (*Interruptions*)

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : ऐसा नहीं है, सर।.(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, हम बिन्दुवार 2-4 बिन्दुओं पर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं। विपक्ष के नेता श्री आडवाणी जी ने जो बातें रखी हैं, उससे अपने आप को सम्बद्ध रखते हुए हम सिर्फ दो-तीन बिन्दुओं पर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं। वोल्कर रिपोर्ट की जो बातें आई हैं और आज अखबार में जो छपा हुआ है, अखबारों में छपने से ऐसा लगता है कि 528 करोड़ रुपये के घपले से संबंधित मामला है और इसी से संबंधित जो चर्चाएं चालीस दिनों से अखबारों और सदन के माध्यम से जो चर्चा हुई है तथा नटवर सिंह जी का जो आज बयान आया है, उससे लगता है कि सदन नहीं चलने के कारण उन्होंने अपना इस्तीफा दिया है। यदि यह ठीक बात है तो हम यह कहना चाहते हैं कि सरकारी पक्ष ने एक गलत परम्परा की शुरूआत की है। कारण, विपक्ष को ऐसा लगता है कि जब सरकार से अच्छा काम कराना होगा तो सदन की कार्यवाही स्थगित की जाएगी तभी सरकार अच्छा काम करेगी, इसका मतलब यही निकलता है। इसलिए हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि जो चर्चाएं आई हैं, जैसा कि श्री आडवाणी जी ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी का उसमें नाम आया है, किसी व्यक्ति का नाम नहीं आया है।.(व्यवधान) हम यह जानना चाहते हैं कि भारत की मिट्टी में नैतिकता होती है। भारत की मिट्टी की नैतिकता जिन लोगों ने स्वीकार की है, हम उनसे निवेदन करना चाहते हैं कि.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Bring it to me. I will see it.

Shri Prabhunath Singh, you continue.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No name is to be taken. Nothing will be recorded.

*(Interruptions)** .

MR. SPEAKER: Please complete. आपका रिकार्ड हो रहा है।

.(<u>व्यवधान</u>)

श्री प्रभुनाथ सिंह : हमें तो ये लोग बोलने ही नहीं दे रहे हैं। अध्यक्ष जी, हम सिर्फ आपसे यह कहना चाहते थे कि नटवर सिंह जी ने अगर नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दिया है तो.(<u>व्यवधान</u>)

अध्यक्ष महोदय : एक ही बात बार-बार बोलने की जरुरत नहीं है।

.(<u>व्यवधान</u>)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष जी, आज की तारीख में कांग्रेस पार्टी का मतलब होता है सोनिया गांधी और सोनिया गांधी का मतलब होता है कांग्रेस पार्टी। वैसी स्थिति में अब बात साफ हो चुकी है।.(<u>व्यवधान</u>)

MR. SPEAKER: This is not fair.

. (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : ...** .(<u>व्यवधान</u>)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded.

*(Interruptions)** .

अध्यक्ष महोदय : श्री चंद्रकांत खैरे।

.(<u>व्यवधान</u>)

MR. SPEAKER: Bring it to me.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Chandrakant Khaire.

. (*Interruptions*)

* Not Recorded.
** Expunged as ordered by the Chair.

देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, क्या केवल एनडीए को ही बुलाया जाएगा? .(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : अध्यक्ष महोदय, क्या केवल आप विपक्ष को ही बुलाएंगे ?.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सबको बुलाएंगे।

.(व्यवधान)

SHRI GURUDAS DASGUPTA (PANSKURA): May I suggest one from this side and one from that side? . (*Interruptions*)

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराष्ट्र) : मेरा अलग विषय है। मेरा नाम बुलाया है।.(व्यवधान) मेरा विषय वोल्कर से संबंधित नहीं है।.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बोलिए न। आपको तो मैंने बुलाया है।

SHRI KINJARAPU YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): Sir, he wants to raise a different issue. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You sit down. I do not want your suggestion. I do not want your help, Shri Yerrannaidu. Please sit down.

. (*Interruptions*)

SHRI KINJARAPU YERRANNAIDU : Sir, he wants to raise a different issue. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I know that. I have called him. You do not lecture to me.

. (*Interruptions*)

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराष्ट्र) : अध्यक्ष महोदय, मैं एक अलग विषय पर इस सभा का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ और मैं आपके माध्यम से न्याय चाहता हूँ। हिन्दू धर्म के परमपूज्य श्री नरेन्द्र स्वामी जी कल लखनऊ से विमान संख्या IC-602 से मुंबई आते समय सिक्योरिटी के लोगों द्वारा उनका राजदण्ड-धर्मदण्ड की स्क्रीनिंग हुई। वहां से आगे विमान की ओर आते समय . * एक इन्सपेक्टर द्वारा उनका राजदण्ड छीन लिया गया और उनका अपमान किया गया।

महोदय, उन्होंने एक धर्मगुरू का अपमान किया है, यह हिन्दू धर्म के सभी लोगों की भावनाओं का अपमान है। विमान पर आते समय उनसे कहा गया कि उनका राजदण्ड पायलट के पास रख दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। मुंबई में उतरने के समय उनको रिसीव करने के लिए आए भक्तगण, जो 'जय सियाराम' का नारा लगा रहे थे, उनको इस घटना की जानकारी नही थी, लेकिन स्वामी जी के बाहर न आने के कारण जब उनको पता चला कि सीआईएसएफ के उस इन्सपेक्टर द्वारा परमपूज्य स्वामी जी का राजदण्ड छीना गया और उनका अपमान किया गया है, तो उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी। उस समय वहां पर भक्तों पर लाठीचार्ज किया गया, महिलाओं पर लाठी चार्ज किया गया, हिन्दुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया गया। यह कृत्य सीआईएसएफ के लोगों ने किया है। इसलिए मैं आपके माध्यम से माननीय गृहमत्री जी से मांग करता हूँ

कि लखनऊ एयरपोर्ट के . * इन्सपेक्टर और उनके साथियों को तथा मुंबई एयरपोर्ट के सीआईएसएफ के उन दोषी लोगों को सस्पेंड किया जाए। उन दोषी लोगों के विरूद्ध कार्रवाई की जाए।

MR. SPEAKER: Do bring all the proceedings related to this issue to me, and names should not be recorded.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Khaire, I have allowed you to raise this issue here because it is an important one.

. (*Interruptions*)

श्री चंद्रकांत खैरे : महोदय, कल से ही इसे टीवी चैनलों पर लाइव टेलीकास्ट किया जा रहा है। मैंने सीआईएसएफ के डीजी को फोन करके बताया कि 'आज तक' चैनल पर इस घटना का लाइव प्रसारण किया जा रहा है। मैंने स्वयं रात 12.30 बजे तक उसे देखा। इस घटना ने सभी हिन्दुओं की भावनाओं का अपमान किया है, इसलिए मैं आपके माध्यम से न्याय की मांग करता हूँ।

* Not Recorded.

12.28 hrs.

RE : VOLCKER COMMITTEE REPORT ON OIL-FOR-FOOD PROGRAMME IN IRAQ

MR. SPEAKER: Shri Khaire, I have allowed you to raise it, and you have also raised it in the House. Now, Shri Pawan Kumar Bansal.

श्री पवन कुमार बंसल (चण्डीगढ़) : माननीय अध्यक्ष जी, हमें प्रसन्नता है कि पिछले कई दिनों के विघ्न के बाद आज प्रश्नकाल हो पाया और हाउस चल रहा है।

MR. SPEAKER: Do you think that the House is running?

. (*Interruptions*)

श्री पवन कुमार बंसल : मेरी आशा है कि हाउस चलता रहेगा।

MR. SPEAKER: What has happened to all of you? All of you are elected representatives of the people. Did you tell the people -- while filing your nomination papers -- that I shall go to the House and create disturbance there? Is this the undertaking given by you all to the people?

श्री पवन कुमार बंसल : मैं आपकी बात का सम्मान करता हूँ।

महोदय, जब कुछ दिन पहले वोल्कर कमेटी की रिपोर्ट पर यहां स्थगन प्रस्ताव पेश हुआ था, तब उस पर हुई बहस के अन्त में माननीय आडवाणी जी ने जो कहा था, उससे हमें एक विश्वास बंधा था कि रिपोर्ट में क्या है या क्या नहीं है, उसे उन्होंने देखा है, माना है और आज उसके बाद जब एक कमीशन माननीय न्यायाधीश श्री आर.एस. पाठक जी के अधीन बना है, सभी बातें उस पर छोड़ दी जाएंगी। .(<u>व्यवधान</u>)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded except Shri Bansal's statement.

*(Interruptions)** .

श्री पवन कुमार बंसल : लेकिन मुझे अफसोस है कि आज के दिन हम अपनी एक-एक बात पर जुडिशियल सिस्टम और संसद, शायद किसी को भी मानने के लिए तैयार नहीं हैं। मैं अपनी ऐसी मान्यता नहीं बनाना चाहता हूँ। हमें विश्वास

था कि सरकार ने एकदम से जो ऐलान किया है, शायद ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था और 10 दिनों की भीतर वहां से कागजात् आ गए थे। यह बात भी हमारे सामने है कि श्री मथरानी ने जो कुछ कहा है, उससे एक आक्रोश, एक आवेश पैदा हुआ था, उसे तो समझा जा सकता है। लेकिन उस बात को हम कहां तक बढ़ाएंगे, क्या हम उसको यह कहेंगे कि वेरीफिकेशन हो गया, ये तथ्य सामने आ गए, यह एविडेंस सामने आ गया? मैं यह बात जरूर याद दिलाना चाहता हूँ, मैं फिर अपनी बात दोहरा रहा हूँ कि मैं आडवाणी जी की बहुत कद्र करता हूँ। अगर टेलीविजन कैमरे पर कोई चीज आ जाए तो उसे तथ्य नहीं माना जाता है, उसको कहा जाता है कि यह स्टिंग आपरेशन था और इस तरह उसका जस्टीफिकेशन हो जाता है। उसको कहते हैं कि वह गलत था। अगर एक मंत्री रिजाइन करके कल अपनी सरकार के प्रधानमंत्री की गर्दन पर बैठकर मंत्रिपरिषद में वापस आ जाता है तो कहा जाता है कि उनके खिलाफ कुछ नहीं था। लेकिन यहां एक रिपोर्ट जिसमें कुछ वर्ष पहले कुछ नाम थे, उस पर कहा जाता है कि उसमें आज की सरकार के एक विदेशमंत्री का नाम है। उसको विदेशमंत्री कहकर प्रस्तुत किया जा रहा है। मुझे अफसोस इस बात का है कि जब हमारे सामने सब कुछ है, जब हमने देख लिया है कि बाहर की सरकारों ने उस रिपोर्ट की कैसै धज्जियां उड़ा दी हैं। बाहर के मंत्रियों ने, संसद सदस्यों ने कैसे धज्जियां उड़ाईं, और अब यहां उसे पढ़ा जा रहा है। मैं अदब के साथ, पूरी इज्जत के साथ कहना चाहता हूं कि मुझे यह उम्मीद नहीं थी, यह ठीक है कि आडवाणी साहब राजनीतिज्ञ है, यह मैं भी

जानता हूं कि कम्प्लशंस हैं, लेकिन मैं उनसे नहीं पूछूंगा कि उन्होंने ...* को क्यों हटा दिया.(व्यवधान) मैं कह रहा

* Not Recorded.

हूं कि मैं नहीं पूछूंगा। मैं यह भी नहीं पूछूंगा कि ...* के खिलाफ क्या इल्जाम थे कि उन्हें हटा दिया गया, यह उनकी पार्टी का मसला है।.(व्यवधान) लेकिन ये कांग्रेस पार्टी से पूछ रहे हैं कि कांग्रेस ने कौन सा काम कैसे किया और कांग्रेस में स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य कौन हैं तथा कैसे सदस्य बनाए जाते हैं। मैं उनसे यह उम्मीद नहीं करता था कि उन बातों को ढकने के लिए, वहां से डाइवर्ट करने के लिए ये कांग्रेस पार्टी की अध्यक्षा का नाम लेंगे। इससे घिनौनी, ...** और गिरावट की बात नहीं हो सकती कि सोनिया गांधी जी का नाम इसमें लिया जाए। कहां है उनका इसमें नाम, क्या आपने उस रिपोर्ट को पढ़ा है?.(व्यवधान) जो कहीं पर कुछ छप गया, आप उसे ही मान रहे हैं। ये हमें सबक दे रहे हैं कि देश का ज्यूरसप्रुडेंस को, हमारे लीगल सिस्टम को अपने शब्दों के जरिए बदलना चाहते हैं। ये इंतजार नहीं करना चाहते कि कमीशन क्या है। अगर आपके पास तथ्य हैं तो आप उन्हें ले जाकर कमीशन के पास दें। .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: That will not be recorded. It is very shameful that you should behave in such a manner.

*(Interruptions)**.

अध्यक्ष महोदय : आप भी आरोप लगा रहे थे, अब ये लोग भी लगा रहे हैं। आप बैठ जाएंगे।

श्री पवन कुमार बंसल : मैं इसी संदर्भ में यह बात कहना चाहता हूं कि अखबारों के जरिए ये अपनी राय बनाते हैं, यह इनका अधिकार है। मैं यह नहीं कहता कि इन्हें खुद सोचने की शक्ति और अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए या अखबारों से लें। लेकिन एक बहुत बढ़िया मैगजीन में उस वक्त की सरकार के बारे में भी कुछ छपा है।

MR. SPEAKER: Do not show any magazines.

श्री पवन कुमार बंसल : उस वक्त यूपीए की नहीं, बल्कि एनडीए की सरकार थी। इस मैगजीन में छपा है कि एनडीए की सरकार में उस वक्त के तेल मंत्री वहां लोगों को लेकर एक बड़े डेलीगेशन के साथ गए थे। उन्होंने कहा था कि हम इराक के फैसलों के कारण, उसकी बहादुरी के कारण इराक को समर्थन देना चाहते हैं और इराक से तेल लेना चाहते हैं। मैगजीन में यह भी छपा है कि उस वक्त एक एजेंट था, जिसके जरिए ओएनजीसी के साथ सौदे हुए थे और वह एजेंट आज भी हिन्दुस्तान में है। क्या आडवाणी जी इस बात का जवाब देंगे?.(<u>व्यवधान</u>) यह सब मीडिया में छपा है, मैं यह नहीं कहता कि वह साबित हो गया है। .(<u>व्यवधान</u>) मैं एक मिनट में अपनी बात समाप्त करूंगा। लेकिन मैं उनकी तरह यह नहीं कहता कि यह

* Not Recorded.
** Expunged as ordered by the Chair.

साबित हो गया है। यह भी एक महत्वपूर्ण और प्रिस्टीजीयस मैगजीन है।.(<u>व्यवधान</u>)

श्री प्रभुनाथ सिंह : आप हम लोगों को तो रोक रहे थे, लेकिन उन्हें नहीं रोक रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : यह सही नहीं है। Do not say that. What you are saying is very unfair Prabhunathji. This type of allegations does not behove you. I have respect for you. You have to show a little respect to me. I respect every hon. Member, and you can make any comments against the Chair!

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : लेकिन आपके खिलाफ कुछ नहीं कहा है।

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने अभी कहा है।

श्री पवन कुमार बंसल : उस वक्त की सरकार के तेल मंत्री के बारे में यह बात एक प्रिस्टीजीयस मैगजीन में छपी है। क्या आडवाणी जी इसका जवाब देंगे? इसलिए मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि आपको देश की जनता ने कोई हक नहीं दिया कि आप इस तरह की बातें कहें।

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा) : अध्यक्ष महोदय, सदन में एक गलत परम्परा हो रही है।.(<u>व्यवधान</u>)

MR. SPEAKER: Please sit down. Your leader is speaking. Shri Acharia, I request you to be brief.

श्री बसुदेव आचार्य : 30 तीराख को रिपोर्ट दाखिल कर दी थी। उसके बाद जब संसद का सत्र शुरू हुआ, तो उस पर स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से चर्चा हुई। सरकार ने इंटरवीन करके जवाब दिया और प्रतिपक्ष के नेता ने भी उसका जवाब दिया था।

उसके बाद भी तीन दिन तक सदन की कार्यवाही को चलने नहीं दिया गया। यह गलत परम्परा चलाई जा रही है कि सदन में आकर मिनिस्टर को रिजाइन करने के लिए फोर्स किया जाए। बीजेपी जो इतनी बड़ी पार्टी है उससे हम सवाल करना चाहते हैं कि 30 तारीख के बाद उन्होंने कितने आंदोलन सदन के बाहर किये, जुलूस निकाले, संघर्ष किया, कोई मांग की। उन्होंने कुछ भी नहीं किया, केवल सदन की कार्यवाही बंद की गयी। खुद पॉल वोल्कर जी ने कहा है कि यह रिपोर्ट वैरीफाइड नहीं है।

My Party first demanded - they have not demanded - that an Inquiry Commission should be appointed. We demanded first and immediately the Government responded to our demand and appointed the Inquiry Commission. What happened to them when there was Tehelka revelation?

तेल के रेविलिशन का क्या हुआ था। उस समय के रक्षा मंत्री जी ने इस्तीफा दिया। लेकिन दो महीने के बाद जब कमीशन जांच कर रहा था, जांच खत्म नहीं हुई थी, उसकी रिपोर्ट नहीं आई थी, उनको बेकसूर नहीं कहा गया, लेकिन दो महीने के बाद वे रक्षा मंत्री बन गये। मैं पूछना चाहता हूं कि यह दोहरा मापदंड क्यों अपनाया जा रहा है। Why is this double standard? अपने लिए एक मापदंड और दूसरे के लिए दूसरा, ऐसा क्यों किया जा रहा है। तमिलनाडु में जो बाढ़ की स्थिति है, हम लोग उस पर चर्चा नहीं कर सके। किसान जो आत्महत्या कर रहे हैं, हम चाहते थे कि उस पर चर्चा हो, लेकिन वह चर्चा भी नहीं हो सकी। इसलिए सदन की कार्यवाही को बंद करने की यह जो परम्परा डाली जा रही है, इसकी हम निंदा करते हैं।

MR. SPEAKER: I would give another 10 minutes. Then, I would go to the Calling Attention.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Braja Kishore Tripathy, you are given a maximum of two minutes. I will not allow you more than that.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Mohan Singh, I will call you.

Please cooperate. I will call everybody.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Acharia, please conclude.

श्री बसुदेव आचार्य : हमारी मांग है कि जब रिपोर्ट आये तो देखा जाए कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है? जो सबसे बड़ा लाभार्थी जिसको साथ लेकर माननीय राम नाईक जी गये थे, जिसका ये लोग नाम नहीं ले रहे हैं, उसकी भी जांच हो। जब रिपोर्ट आ जाए तो जो जिम्मेदार हो, उसके खिलाफ उचित कार्रवाई हो, यही हमारी मांग है।

MR. SPEAKER: Shri Braja Kishore Tripathy, please be brief. If you want to say the same thing, you can only associate. You need not repeat the same thing.

. (*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : वे भी यही कह रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : हमने उनको बोलने दिया है।

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY (PURI): Mr. Speaker, Sir, it is listed in the Volcker Report that both Shri Natwar Singh and the Congress Party are the beneficiaries. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: These things have been said. Why are you saying it again?

. (*Interruptions*)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Good sense has prevailed on the Congress party and Shri Natwar Singh has resigned. What has happened to the Congress Party? On that day also, I have... . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: All right.

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Sir, you have allowed me to speak for two minutes. Even before that time limit, you are asking me to conclude. . (*Interruptions*) While participating in the debate on that day, I had raised the point that seven more persons from the Congress Party were also involved. . (*Interruptions*) These names should be disclosed by the Congress. . (*Interruptions*) What has happened to them? . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing more will be recorded.

*(Interruptions)** .

MR. SPEAKER: Shri Devendra Prasad Yadav.

Shri Tripathy, nothing new is being said. You are saying the same thing.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Yadav, please be very brief.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing more will be recorded except the speech of Shri D.P. Yadav.

*(Interruptions)** .

MR. SPEAKER: Only the speech of Shri Yadav will be recorded, nobody else's. Nothing more will be recorded.

*(Interruptions)** .

* Not Recorded.

MR. SPEAKER: Shri Tripathi, you have said more than enough. You are only repeating the same thing. You are repeating here from your earlier speech.

. (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से बोलना चाहता हूं .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It is very unfortunate, Shri Tripathi. Nobody seems to follow discipline. You do not follow discipline and you are talking about others.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down. It is enough.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri D.P. Yadav's speech only will go on record.

*(Interruptions)** .

MR. SPEAKER: Nothing is being recorded.

*(Interruptions)** .

MR. SPEAKER: Do not record anything more. Shri D.P. Yadav to speak.

. (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, आज जब प्रतिपक्ष के नेता बोल रहे थे तब मुझे ताज्जुब और आश्चर्य हुआ .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: If there is something new, you speak, otherwise, you associate with this.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The same thing need not be repeated.

. (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, कृपया आप हम लोगों की बात भी सुनिए, आप हम लोगों की बात सुनते नहीं हैं। मैं आपसे विनती करते हुए एक बात कहना चाहता हूं कि जब प्रतिपक्ष के नेता श्री आडवाणी जी एडजर्नमेंट मोशन लाए थे, उस समय उन्होंने कहा था कि वोल्कर कमेटी की रिपोर्ट में केवल दो एंटिटीज़ हैं, तीसरे के बारे में उन्होंने कुछ नहीं कहा था। इसका क्या कारण था?

क्या वही कारण था जो . * के समय जो उस समय पार्टी के अध्यक्ष थे .(व्यवधान) सारे देश ने visual

* Not Recorded.

मीडिया में रिश्वत लेते हुए देखा। उस पर एक भी एफआईआर, एक भी जांच कमीशन आपने नहीं बैठाया। क्या यह दोहरा चरित्र, दोहरा चेहरा, दोहरी चाल नहीं है? जानबूझकर कांग्रेस और श्रीमती सोनिया गांधी का नाम घसीटा जा रहा है, इसीलिए जो सच है, वह मैं कहना चाहता हूं। विपक्ष के नेता द्वारा संसदीय लोकतंत्र में, संसदीय व्यवस्था में संसद को ठप्प करके मांग की जाने की जो प्रथा चलाई जा रही है, वह न केवल अदभुत और अनप्रेसीडेंटिड है, बल्कि एक नई परम्परा को आप स्थापित कर रहे हैं, इसलिए आज कल आपका कोई स्वदेशी जागरण नहीं हो रहा है। विदेशी समिति वोल्कर की रिपोर्ट जब आती है, तब आपकी बुद्धि की कुंडली खुल जाती है। आज कल उनकी कुंडली विदेशी जागरण के द्वारा खुलती है, विदेशियों के द्वारा ये लोग जागृत होते हैं, देश की न्यायिक जांच पर आपको भरोसा नहीं है, देश में श्री आर.एस. पाठक की अध्यक्षता में जो ज्यूडिशियल प्रोब की घोषणा की गई है, उस पर आपको भरोसा नहीं है। मैं इसलिए कहना चाहता हूं कि जिस तरह से संसार में महाशक्तियों का ध्रुवीकरण हो रहा है, इससे यह साफ है कि विकासशील देश हो या तीसरी दुनिया का कोई भी देश हो या भारत जैसा देश उसे संकट में डालने की साजिश विदेशियों के जरिए ही होती है। हमारी स्वतंत्र विदेश नीति है। मैं कहना चाहता हूं कि भविष्य में अपने देश को या तीसरी दुनिया के देश को अमरीका के इशारों पर ब्लैकमेल करने का

आप एक रास्ता खोल रहे हैं। हिंदुस्तान को यूएसए के द्वारा ब्लैकमेल किया जा रहा है। दूसरे देश के द्वारा जांच कमेटी बैठाकर उन तथ्यों को, जिनमें हिंदुस्तान के व्यापक हित हैं, भारत की जो स्वतंत्र विदेश नीति है, उसे प्रभावित करने की कोशिश आप लोग कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : आपने अपनी बात कह दी है, अब आप बैठ जाइए।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि जब तहलका प्रकरण हुआ था, उस समय इन लोगों की नैतिकता कहां चली गई थी, तत्कालीन रक्षा मंत्री से लेकर कई अन्य लोग भी इसमें शामिल रहे, मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता, वे इस सदन के सदस्य नहीं हैं, उस समय इनकी नैतिकता कहां चली गई थी।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Now, Shri Mohan Singh to speak.

. (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : यह इनका दोहरा चरित्र है। .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded. Please cooperate.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Keep your own dignity. You are all very respected leaders of this country. Please behave properly.

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : अध्यक्ष महोदय, ...।

अध्यक्ष महोदय : आप लोग सुधरेंगे नहीं।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : क्या मेरी हिंदी ठीक है?

श्री किरिप चालिहा (गुवाहाटी) : महोदय, आप हमेशा हिंदी में ही बोलिए।

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करूंगा कि आपने अध्यक्ष पीठ से कहा कि आपको शर्म लग रही है कि आप वहां बैठे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि हम गौरान्वित हैं कि आप जैसा अनुभवी और श्रेष्ठ व्यक्ति इस आसन पर विराजमान है और इसलिए हम आपका अभिनन्दन करते हैं।

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद) : मैं इससे अपने आपको एसोसिएट करता हूं। We are very proud of you, Sir.

श्री मोहन सिंह : महोदय, यदि इस टिप्पणी को आप सदन की कार्यवाही से निकाल दें, तो अच्छा रहेगा।

SHRI HARIN PATHAK : Sir, we are proud of you.

श्री मोहन सिंह : इसके साथ ही साथ हमने श्री नटवर सिंह के त्याग-पत्र की मांग की थी। आज उन्होंने त्याग-पत्र की घोषणा की। मैं इसका स्वागत करता हूं और सरकार से आग्रह करता हूं कि अगला बजट सत्र शुरू होने से पहले जस्टिस पाठक कमीशन की रिपोर्ट सदन के सामने रखी जाए जिससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए। श्री नटवर सिंह के संबंध में अखबारों में यह खबर आई है कि प्रधान मंत्री जी ने उनसे पहले ही दिन आग्रह किया था कि वह अपने पद से त्याग-पत्र दे दें। उन्होंने वायदा भी किया था लेकिन वह जब परिवार में गए तो परिवार वालों ने उनको त्याग-पत्र देने से मना कर दिया। मुझे खुशी है कि यूपी की चेयरपर्सन ने उनको त्याग-पत्र देने के लिए राजी किया। यह और अच्छी बात होगी कि यूपी की चेयरपर्सन उनको राजी करने के साथ-साथ, कमीशन की रिपोर्ट को जल्दी से जल्दी सदन के सामने प्रस्तुत करें जिससे पूरा देश इस बात से

अवगत हो सके कि क्या सच्चाई है और कौन-कौन से व्यक्ति शामिल हैं? श्री नटवर सिंह ने सदन के बाहर यह बात कही थी कि उनको बलि का बकरा बनाया जा रहा है और इसके पीछे कौन लोग हैं, इसका खुलासा वह सदन के भीतर करेंगे। मुझे इस बात पर अफसोस है कि वोल्कर कमेटी की रिपोर्ट पर इस सदन में सम्पूर्ण दिन बहस हुई लेकिन नटवर सिंह जी नहीं आए। सदन के नियमों में यह प्रावधान है कि जो कोई भी मंत्री अपने पत्र से त्याग-पत्र देता है, वह त्याग-पत्र देने के कारणों से और उससे संबंधित विषयों पर एक वक्तव्य देता है। सदन के बाहर उनका वक्तव्य था कि वह सदन के भीतर पोल खोलेंगे और इसके पीछे जो षडय़ंत्र है, उसका खुलासा करेंगे। मैं आग्रह करूंगा कि अब समय आ गया है जब उनको सदन में बुलाया जाए और षडय़ंत्र का खुलासा किया जाए। इस संबंध में आग्रह करते हुए मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

MR. SPEAKER: He is a Member of Rajya Sabha; he cannot come here now.

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Sir, I have great admiration for Mr. Advani. I was with him in the Rajya Sabha for a long period. But I am outrageously shocked. (*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : It is as usual. (*Interruptions*)

MD. SALIM (CALCUTTA - NORTH EAST): Now, he is hijacked. Earlier, he was not hijacked. (*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA : I am outrageously shocked at the statement he has made. Why. (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : यह 24 घंटे शॉक्ड रहते हैं।. (*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Sir, it is very normal for the impatient friends to become impatient of the remarks. (*Interruptions*) I admire your impatience, but please admire our patience. We are admiring your impatience!. (*Interruptions*)

Sir, the position is like this. Why I am outrageously shocked.

MR. SPEAKER: Please inject some humour.

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Yes, Sir.. (*Interruptions*)

Mr. Advani takes credit in the resignation of Mr. Natwar Singh as Minister. He takes credit. (*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : No.. (*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Sir, the point is this. I know what he has said. He has said, 'because the Parliament is being stalled, therefore, he has resigned.' I admire him. Why? It is not because he has given credit to the stalling of the Parliament. He has resigned to allow the Parliament to function. It is a commitment for the system. And Mr. Advani takes credit in stalling the House! That is the difference. (*Interruptions*) Mr. Advani takes credit in stalling the system.. (*Interruptions*)

Mr. Speaker, Sir, we are here as parliamentarians in our own right. Mr. Advani is there in his own right, and I am here in my own right. I am outrageously shocked because Mr. Advani defends paralysing the Parliament for 72 hours in the current session. For 72 hours, Parliament had been paralysed. (*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : It is because of Mr. Natwar Singh. (*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Yes.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA :You ask about his resignation.

SHRI GURUDAS DASGUPTA : I am asking. I am coming to that.

MR. SPEAKER: Mr. Gurudas Dasgupta, you please address the Chair.

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Sir, if they believe that Madam Sonia Gandhi is involved, let them demand her resignation and bring a No-Confidence Motion.

. (*Interruptions*) Without stalling the House, you could have brought in a No-Confidence Motion. You could have brought that because there was no remedy; that is because otherwise you will have to wait for five years and you cannot remove them from power. You cannot remove the parliamentary system also. . (*Interruptions*) Therefore, the point is that Shri Advani, being a senior-most Parliamentarian, is defending the stalling of Parliament and takes credit. . (*Interruptions*)

SOME HON. MEMBERS: No.

SHRI GURUDAS DASGUPTA : My point is that there was recourse and they could have brought in a No-Confidence Motion.

On the issue of 'kidnapping' of the diplomat, they could have gone to the Supreme Court and filed a Habeas-Corpus petition. They did not take to the Constitutional remedy. Without that, they are taking to the path of extra-Constitutional remedy of stalling the Parliament, ever since this Government came to power. . (*Interruptions*) They cannot believe that they had been defeated and they also cannot believe that there is a Government. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: That is enough; conclude now.

SHRI GURUDAS DASGUPTA : I am concluding. . (*Interruptions*) We have demanded that. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: What is this going on here?

. (*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA : You may please go and join it. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded except Shri Gurudas Dasgupta. Shri Pathak, this is very unfortunate.

. (*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA : This is the standard of culture. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You may conclude now. Please conclude.

. (*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Sir, we suggested - Shri Natwar Singh should have resigned earlier, to take the wind out of the sails of the BJP. We have said that.

Lastly, I say that even devil finds justification in its words. The way the Babri Masjid was demolished, there was a justification! Similarly, today there is a justification for holding of Parliament! Sir, they are out to destroy the Indian Parliamentary democracy.

MR. SPEAKER: Okay, I cannot allow any more. Please conclude.

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Sir, that is the reason why I was outrageously shocked at the statement of Shri Advani.

MR. SPEAKER: Please conclude. Now, the Parliamentary Affairs Minister.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please take your seats. You may allow him to speak now; you have spoken already.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): We have heard the distinguished Leader of the Opposition, Shri Advaniji, all other hon. Members of the Opposition, the UPA friends and other leaders.

From day one, we made it abundantly clear - before the Session began - that we should go to the bottom of the truth. That has been - not once, but on many occasions - reiterated by no less than the Prime Minister of this country, in this House and also in the other House.

True it is, Shri Natwar Singh, yesterday night, publicly explained his viewpoints, the cause of his resignation. If that amounts to satisfaction and credit to Advaniji and the Opposition, I wish them good health and let them be happy with it! The question today is - it is very important - the allegation against the Government; it is - most unfortunate - unfounded. I plead before you, Sir, you are

the living evidence of this House, and our distinguished Leader of the Opposition Advaniji too. The UPA perspective is very clear and when we made our journey, on the very first day, we made it abundantly clear. If there is any doubt, any controversy or if there is any issue that will arise under the sky, involving any agency within or outside, our Government shall deal with it firmly.

I will not refer to the Volker Committee Report any more; we had debated it; we had replied to that also and it is enough. In spite of that, if they go on harping on these two entities, let me say that let the inquiry be over. Here, I thank Shri Mohan Singh for his observation; it will be the task of this Government to see that inquiry is conducted and the outcome is known expeditiously.

There are two perspectives; Volcker Committee Report, observation from abroad by the UN Committee.

MR. SPEAKER: Let us not go into that.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: I would like to mention it since Advani ji raised an issue about our political morality and honour to the Parliament. Is it not a fact Advani ji, when we sat in the Opposition, we limited our protest confining to a particular question of *Raksha Mantri.* We limited our protest to only that question. We did not disrupt the House rather we used to go out. In contrast you have adopted a policy. (*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : This is a wrong statement. You stalled the House for 21 days.. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Are you counting the days? Please do not count the days. We have become very impatient to hear each other.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: We were demanding a discussion. Even after 21 days, the then Prime Minister did not come to the House - either in the Lok Sabha or Rajya Sabha - for once. Yet, our Prime Minister on the very first day came to the House. This is the difference. We show accountability and

respect towards the House. I do not want to debate it now. It has been amply demonstrated by Dr. Manmohan Singh.

I never expected Advani ji, the Leader of Opposition, an eminent leader of the country, to have dragged the name of our Leader of Party to score political advantage. You should know Advani ji that we have no outside orbit of Congress from where dictation comes whether somebody has to vacate the Office or continue in the Office. You may be a victim of outside dictate; we are not. This is the difference. Our Leader is not on a transfer order from outside. You are on a transfer order from outside. Therefore, please do not advise us about political morality. The day our Leader assumed the Presidentship of Congress, you were frustrated. You have at least given one credit to us.. (*Interruptions*) Shri Pathak, when you resigned, I protected you. Please do not forget that.. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing except what Shri Dasmunsi says will go on record.

(Interruptions) .*

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: I would like to conclude by saying, we know the day our Leader took office of the President of Congress Party, how much problem did she cause to your mind and philosophy. The more you criticise our Leader the more it will be proved that we are ideologically right. I may tell you that Shrimati Sonia Gandhi is not only our Leader, she is also leading the progressive political movement of the country to demolish all the communal onslaughts and designs by others.

Advani ji is very happy today. He gave credit to Shri Natwar Singh. I know, after being served a lot of discredits from his visit to Pakistan, to Sudarshan Camp and lastly due to Uma, he has got one credit. He gave credit to Sonia ji. By not becoming the Prime Minister of the country, she at least protected a lady from shaving her head.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : अध्यक्ष जी, जो जवाब दिया है, उसमें हम संतुष्ट नहीं हैं। ये दोहरे मापदंड क्यों हैं - एक श्री नटवर के लिए और दूसरा श्रीमती सोनिया

गांधी के लिए? ये दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। इसलिए मैं प्रोटैस्ट में वाक-आउट करता हूं।

12.59 hrs.

(Shri L.K. Advani and some other
Hon'ble Members then left the House)

---

* Not Recorded.

12.59 ? hrs.

(ii) **Re : Reported suicide by the farmers in Maharashtra and other parts of the country**

MR. SPEAKER: Shri Geete wants to raise a very important matter concerning the farmers. I have allowed him to speak.

. (*Interruptions*)

श्री अनंत गंगाराम गीते (रत्नागिरि) : अध्यक्ष महोदय, पिछले एक साल में

.(व्यवधान)

SHRI KINJARAPU YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): Sir, you promised that you will allow me to speak.. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let us have order in the House. I know, and I am thankful that Shri Geete is raising an important issue concerning the common people. I have allowed him to raise it. Please allow him to speak. I am sure the Government will listen to it. Please cooperate.

SHRI KINJARAPU YERRANNAIDU : Sir, I wanted to speak for a minute.

MR. SPEAKER: Volcker debate is over. No more please.

SHRI KINJARAPU YERRANNAID : Sir, please allow me for a minute. I neither belong to UPA nor NDA.. (*Interruptions*)